NAP-009-001624 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April – 2017

Hindi : Core-20 : HIN-603

(New Course)

Faculty Code : 009

Subject Code : 001624

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ मीराँ के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ भावपक्ष और कलापक्ष के आधार पर मीराँ के पदों की समीक्षा कीजिए । १५

२ 'कृष्णभक्त होते हुए भी मीराँ अन्य कृष्णभक्त कवियों से अलग है' समझाइए । १५

अथवा

२ मीराँ की भक्ति पद्धति पर विस्तृत निबंध लिखिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''जोगी मत जा मत जा मत जा,
पाँइ परूँ मैं तेरी चेरी हों ।
प्रेम भगति को पैड़ों ही न्यारो
हम कूँ गैल बता जा ।''

(२) ''गिरधर म्याँरा साँचो प्रीतम, देखत रूप लुभाऊँ ।
रैण पड़ै तबही उठि जाऊँ, भोर भये उठि आऊँ । ''

(३) ''माई साँवरे रँग राँची
साज सिंगार बाँध पग घूँघर, लोक लाज तज णाँची ।
गयाँ कुमत लयाँ साधाँ संगत, स्याम प्रीत जग साँची ।''

(४) ''भूषन भारू सँमारि है क्यों इहि तन सुकुमार
सूधे पाइ न घर परैं सोभा ही कै भार ।''

(५) ''लिखत बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर ।
भये न केते जगत के चतुर चितेरे कूर ।''

४ बिहारी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

४ रीतिकालीन समसामयिक स्थिति पर प्रकाश डालिए । १५

५ एक सफल मुक्तककार के रूप में बिहारी की समीक्षा कीजिए । १०

अथवा

५ मीराँबाई की पदावली के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए । १०